ISSN 0974 1666

सी.सी.आर.यू.एम.

# न्यूज़लेटर

केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद् की त्रैमासिक पत्रिका

खंड 37 • अंक 4 अक्टूबर–दिसम्बर 2017

## सचिव (आयुष) के पद पर वैद्य राजेश कोटेचा की नियुक्ति

**चौथे उच्चतम नागरिक पुरस्कार – पद्मश्री से सम्मानित और आयुष चिकित्सा पद्धतियों के मज़बूत समर्थक वैद्य राजेश कोटेचा को 11 अक्टूबर 2017 को आयुर्वेद, योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध और होम्योपैथी (आयुष) मंत्रालय, भारत सरकार के सचिव के रूप में नियुक्त किया गया।**

वैद्य राजेश कोटेचा, जो जून 2017 में आयुष मंत्रालय में विशेष सचिव नियुक्त किये गये थे, एक विद्याविद् हैं और उन्हें प्रशासन का भी लंबा अनुभव है। आयुष मंत्रालय में नियुक्ति से पहले वह चक्रपानी आयुर्वेद क्लिनिक एवं अनुसंधान केन्द्र, जयपुर के मुख्य चिकित्सक एवं कार्यकारी निदेशक थे। उन्हें लगभग तीन दशकों का अनुभव है और विभिन्न क्षमताओं में महत्वपूर्ण पदों पर कार्यरत रहे हैं जिसमें गुजरात आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जामनगर के उप–कुलपति का पद उल्लेखनीय है। वह आयुर्वेद स्नातकोत्तर संस्थान, महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय, मध्य प्रदेश के अध्यक्ष; जे. आर.डी. टाटा फाउंडेशन फॉर रिसर्च इन आयुर्वेद एण्ड योग सांइसेज़ (दीनदयाल अनुसंधान संस्थान की एक पहल), चित्रकूट में अनुसंधान निदेशक; और आयुर्वेद स्नातकोत्तर संस्थान, महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय, मध्य प्रदेश में कायाचिकित्सा विभाग

*वैद्य राजेश कोटेचा*

के अध्यक्ष रह चुके हैं। वह यूनीलिवर, बैंगलोर के 'ओपन इनोवेशन प्रोजेक्ट इन हर्बल रिसर्च फॉर साउथ ईस्ट एशिया' के लिए परामर्शदाता भी थे।

अप्रैल 2015 में पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित किये जाने के अलावा वैद्य कोटेचा वर्ष 2007 के लिए हकीम अजमल ख़ान सोसाइटी, नई दिल्ली द्वारा 'वैश्विक आयुर्वेद चिकित्सक पुरस्कार' और वर्ष 2008 के लिए आयुर्वेद चिकित्सकों की अन्तर्राष्ट्रीय एकेडमी द्वारा 'आयुर्वेद रत्न' पुरस्कार से भी सम्मानित हैं।

वैद्य कोटेचा ने प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में प्रकाशित और राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर प्रस्तुत कई शोध पत्रों के अलावा 'कॉन्सेप्ट ऑफ अतत्वाभिनिवेश इन आयुर्वेद' और 'ए बिगिनर्स गाईड टू आयुर्वेद' नामक पुस्तकें लिखी हैं। वह मीडिया संबंधित गतिविधियों में गहरी रूचि रखते हैं और http://hellowellness.in पर एक विशेषज्ञ ब्लॉग लेखक, एक पाक्षिक ई–न्यूज़लेटर 'आयुर्वेद न्यूज़' के संपादक, वैकल्पिक स्वास्थ्य पर एक अन्तर्राष्ट्रीय मासिक पत्रिका 'ज्वॉयफुल लीविंग' में 'वेद्स वर्डिक्ट' नामक कॉलम के लेखक और 'संकलनश्रेणी' नामक गुजराती पत्रिका पाक्षिक के कॉलम 'आयुर्वेद नू अवानवू' के लेखक भी रहे हैं। वह संयुक्त राज्य अमेरिका, फ्रांस, कोलम्बिया और कनाडा जैसे देशों के विभिन्न केन्द्रों में अतिथि प्राध्यापक एवं आयुर्वेद परामर्शदाता के रूप में वैश्विक उपस्थिति रखते हैं। वह अत्यधिक प्रतिष्ठित तथा वैश्विक प्रसिद्धि के कार्यक्रम 'वर्ल्ड आयुर्वेद कांग्रेस' के अंतर्राष्ट्रीय संयोजक रहे हैं।

वह कई संगठनों/समितियों जैसे शासी निकाय, केन्द्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद्, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार; अनुसंधान सलाहकार बोर्ड, दीनदयाल अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली; बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय और भारती विद्यापीठ डीम्ड विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् द्वारा प्रत्यायन हेतु सहकर्मी टीम; सलाहकार समिति, आयुष विभाग, राजस्थान सरकार; शासी निकाय, राष्ट्रीय आयुर्वेद विद्यापीठ, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार; और शासी परिषद्, भारतीय विश्वविद्यालय संघ, नई दिल्ली से जुड़े रहे हैं।

गुजरात आयुर्वेद विश्वविद्यालय के उप–कुलपति के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान विश्वविद्यालय को देश का सर्वश्रेष्ठ आयुर्वेद विश्वविद्यालय बनाने हेतु राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् से ग्रेड 'ए' प्राप्त करने सहित शिक्षा एवं शोध में गुणवत्ता सुधार के विभिन्न मानदण्ड की प्राप्ति में वैद्य कोटेचा की महवपूर्ण भूमिका रही।

अपने क्रांतिकारी तथा प्रगतिशील दृष्टिकोण के लिये प्रसिद्ध वैद्य कोटेचा आयुष चिकित्सा पद्धतियों के बहुआयामी विकास में गहरी रूचि रखते हैं और गैर–संक्रामक तथा नए रोगों के उपचार एवं संपूर्णात्मक स्वास्थ्य सेवा में आयुष चिकित्सा पद्धतियों की क्षमताओं के उपयोग हेतु गंभीर हैं।

केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद् (के.यू.चि.अ.प.) को आशा है कि उनके संरक्षण और सक्षम नेतृत्व में यूनानी चिकित्सा के साथ–साथ अन्य आयुष पद्धतियों का चौतरफा विकास होगा।

•••

# राष्ट्रीय एकता दिवस कार्यक्रम

**के.यू.चि.अ.प. ने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के एक प्रबल व्यक्तित्व सरदार वल्लभभाई पटेल की जंयती मनाने के लिए 31 अक्टूबर 2017 को राष्ट्रीय एकता दिवस (नेशनल यूनिटी डे) का आयोजन किया।**

सरदार बल्लभभाई पटेल के जन्मदिवस 31 अक्टूबर को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाने का फैसला माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 2014 में लिया जिसका उद्देश्य देश की सुरक्षा, एकता और अखंडता के वास्तविक और संभावित खतरों का सामना करने के लिए हमारे राष्ट्र में निहित ताकत और लचीलेपन को मज़बूत करने का एक अवसर प्रदान करना है।

इस दिन को मनाते हुए केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद् के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने शपथ ली कि वे राष्ट्र की एकता, अखंडता और सुरक्षा को बनाए रखने के लिए खुद को समर्पित करेंगे और अपने साथी देशवासियों के बीच इस संदेश को फैलाने के लिए कठोर प्रयास करेंगे। यह प्रतिज्ञा देश के एकीकरण की भावना से ली गई जो सरदार वल्लभभाई पटेल की दूरदर्शिता और कार्यों से संभव हुई थी। कर्मचारियों ने देश की आंतरिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अपने स्वयं का योगदान देने की भी शपथ ली।

•••

# गुजरात में स्वास्थ्य महोत्सव

**केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद् (के.यू.चि.अ.प.) ने क्षेत्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (क्षे.यू.चि.अ.सं.), मुम्बई के माध्यम से 26–28 अक्टूबर 2017 को वलसाड, गुजरात में गुजरात वैज्ञानिक साक्षरता सह स्वास्थ्य महोत्सव में भाग लिया।**

कार्यक्रम का उद्घाटन श्री एम. के. रावल, उप निदेशक, शिक्षा, गुजरात सरकार ने किया। वैज्ञानिकों, प्रौद्योगिकों, कौशल विकास व्यवसायियों, स्वास्थ्य एवं कल्याण व्यवसायियों, और केन्द्र एवं राज्य सरकारों से अनुसंधान अधिकारियों ने कार्यक्रम में भाग लिया। प्रदर्शनी के दौरान, परिषद् के स्टॉल से इसकी गतिविधियों और उपलब्धियों पर पोस्टरों और प्रचार सामग्रियों का प्रदर्शन किया गया। आगंतुकों के बीच स्वास्थ्य एवं स्वास्थ्य–रक्षा पर निःशुल्क साहित्य का वितरण किया गया। 70 से अधिक स्कूलों और कॉलेजों के लगभग 10,000 छात्रों और अध्यापकों तथा स्थानीय जनता ने परिषद् के स्टॉल का दौरा किया और अनुसंधान अधिकारियों से बातचीत की। परिषद् के स्टॉल का संचालन क्षे.यू.चि.अ.सं., मुम्बई से डॉ. इरफ़ान अहमद, अनुसंधान अधिकारी (यूनानी), डॉ. तारिक़ बरकाती, एस.आर. एफ. (यूनानी), श्री अब्दुल रहीम देशमुख, कम्पाउन्डर और श्री रफीक़ शाह, अटेंडेन्ट ने किया।

•••

# आयुष वैज्ञानिकों के लिए प्रशिक्षण सह अनावरण कार्यक्रम का आयोजन

**केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद् (के.यू.चि.अ.प.), आयुष मंत्रालय, भारत सरकार ने मेदान्ता इन्स्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन एंड रिसर्च, गुरुग्राम के सहयोग से 3 नवम्बर 2017 को मेदान्ता, गुरुग्राम, हरियाणा में आयुष के वैज्ञानिकों के लिए एक प्रशिक्षण सह अनावरण कार्यक्रम का आयोजन किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य "मेदान्ता में एकीकृत चिकित्सा के "अक्षीय मॉडल" के विकास का अन्वेषण" करना था।**

अपने उद्घाटन सम्बोधन में वैद्य राजेश कोटेचा, सचिव, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार ने सुझाव दिया कि आयुष वैज्ञानिकों को एकीकृत चिकित्सा सीखनी चाहिए और संस्थान/व्यक्तिगत स्तर पर इसे लागू करना चाहिए। उन्होनें डब्ल्यु.एच.ओ. पारम्परिक चिकित्सा रणनीति 2014–2023 का उल्लेख किया जो स्वास्थ्य देखभाल सेवा वितरण में पारम्परिक एवं पूरक चिकित्सा सेवा का एकीकरण के द्वारा सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज के प्रोत्साहन पर ज़ोर देती है।

उद्घाटन सत्र को सम्बोधित करते हुए श्री पी.एन. रंजीत कुमार, संयुक्त सचिव, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार ने एकीकृत चिकित्सा के मेदान्ता मॉडल की सराहना करते हुए कहा कि इसने भारत में विभिन्न चिकित्सा पद्धतियों के एकीकरण में एक दूरदर्शिता प्रदान की है और मनुष्य की भलाई के लिए बड़े स्तर पर इसे अपनाने की आवश्यकता पर ज़ोर दिया। उन्हानें बताया कि पारम्परिक चिकित्सा/स्वास्थ्य देखभाल पद्धति मनुष्य को मशीनों की तरह देखती है लेकिन भारत सौभाग्यशाली है कि यहां पारम्परिक चिकित्सा पद्धतियां हैं जो मनुष्य का उपचार समग्र दृष्टिकोण से करती हैं।

प्रो. वैद्य के.एस. धीमान, महानिदेशक, केन्द्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद् ने पांच चयनित जिलों में कैंसर, मधुमेह, हृदय संबंधी रोगों और स्ट्रोक की रोकथाम और नियंत्रण हेतु राष्ट्रीय कार्यक्रम (एन.पी.सी.डी.सी.एस.) के साथ आयुष के एकीकरण के क्षेत्र में आयुष मंत्रालय की अनुसंधान परिषदों की गतिविधियों पर प्रकाश डाला।

डॉ. नरेश त्रेहन, अध्यक्ष एवं प्रबंधन निदेशक, मेदान्ता ने कहा कि परम्परागत चिकित्सा में बहुत सारे छिपे हुए रत्न हैं जिन्हें दरकिनार किया हुआ है, इन्हें खोजे जाने की और इनका लाभ उठाने की आवश्यकता है। उन्होनें कहा कि परंपरागत चिकित्सा के चिकित्सक पश्चिम के रास्ते पर चलते हैं जिन्हें खुदको पुनः अनुकूल बनाने की आवश्यकता है।

डॉ. अनिल खुराना, महानिदेशक, के.यू.चि.अ.प. की ओर से डॉ. गज़ाला जावेद, अनुसंधान अधिकारी (यूनानी), वैज्ञानिक-IV ने कहा कि आयुष पद्धति की समग्र दृष्टिकोण से स्वास्थ्य समस्याओं को उपचारित करने की एक विशिष्ट पहचान है जिसका परंपरागत चिकित्सा में लाभ उठाया जा सकता है और एकीकृत चिकित्सा में सहायक थैरेपी के रूप में उपयोग किया जा सकता है।

तकनीकी सत्रों में आयुष चिकित्सा और परंपरागत चिकित्सा पद्धतियों के एकीकरण की प्रक्रिया और तर्क पर विचार–विमर्श किया गया। वक्ताओं ने मेदान्ता में अपनाए गए एकीकरण मॉडल पर प्रकाश डाला और कुछ क्षेत्रों की पहचान की जहां एकीकरण महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। उन्होनें विभिन्न चिकित्सा पद्धतियों के

*श्री वैद्य राजेश कोटेचा, सचिव और श्री पी.एन. रंजीत कुमार, संयुक्त सचिव, आयुष मंत्रालय, प्रो. वैद्य के.एस. धीमान, महानिदेशक, केन्द्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद्, डॉ. ओम प्रकाश लेखरा और डॉ. संजय मित्तल, मेदान्ता 3 नवम्बर 2017 को मेदान्ता, गुरुग्राम, हरियाणा में आयुष के वैज्ञानिकों के लिए एक प्रशिक्षण सह अनावरण कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र के दौरान।*

औषधि के परस्पर प्रभावों पर अध्ययन करने की आवश्यकता पर ज़ोर दिया। डॉ. ए.के. दुबे, डॉ. अली ज़मीर ख़ान, डॉ. संजीव सैगल, डॉ. संजय मित्तल, डॉ. तजिन्द्र कटारिया, डॉ. अतीक़ वासदेव और डॉ. शशिधर ने भी तकनीकी सत्रों को सम्बोधित किया।

प्रशिक्षण सह कार्यक्रम में अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान और जामिया हमदर्द के प्रतिनिधियों के अतिरिक्त के.यू.चि.अ.प. मुख्यालय, इसके अधीनस्थ कार्यालयों और आयुष मंत्रालय, भारत सरकार की अनुसंधान परिषदों ने भाग लिया।

●●●

# हिन्दी पखवाड़ा का आयोजन

**केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद् (के.यू.चि.अ.प.) ने सितम्बर 2017 में अपने मुख्यालय और संस्थानों में हिन्दी पखवाड़ा मनाया। पखवाड़े का आयोजन 14 सितंबर को हिन्दी दिवस मनाने और कर्मचारियों में दिन–प्रतिदिन कार्यों में राजभाषा के प्रयोग और राजभाषा प्रोत्साहन नीति को कार्यान्वित करने के उद्देश्य से किया गया।**

*श्री प्रदीप कुमार 11 सितम्बर 2017 को के.यू.चि.अ.प. मुख्यालय में हिन्दी पखवाड़ा के उद्घाटन समारोह को सम्बोधित करते हुए।*

परिषद् मुख्यालय में पखवाड़े का उद्घाटन 11 सितम्बर 2017 को किया गया। उद्घाटन समारोह में डॉ. अनिल खुराना, महानिदेशक प्रभारी, के.यू.चि.अ.प. ने आग्रह किया कि भाषा कौशल और शब्दावली में सुधार करने के लिए हर व्यक्ति कम से कम एक समाचार पत्र या पत्रिका खरीदे। उन्होनें यह भी सुझाव दिया कि हिन्दी के प्रचार के प्रयासों को पखवाड़ा के समापन के साथ खत्म न करें बल्कि इसे पूरे वर्ष जारी रखें।

इस अवसर पर बोलते हुए श्री के. सी. भट्ट, सहायक निदेशक (राजभाषा), आयुष मंत्रालय, भारत सरकार, जो इस समारोह के मुख्य अतिथि थे, ने कहा कि हमें हिन्दी भाषा के लिए अधिनियम के नियमों और प्रावधानों का पालन करने और आधिकारिक कार्यकलापों के साथ–साथ व्यक्तिगत जीवन में इसका उपयोग करने की आवश्यकता है।

श्री प्रदीप कुमार, पूर्व उप–सचिव, संसदीय राजभाषा समिति ने कहा कि सिर्फ आदेश पारित करने की बजाय हर एक को हिन्दी का प्रयोग करना चाहिए। डॉ. जमाल अख़्तर, अनुसंधान अधिकारी (यूनानी) एवं प्रभारी, हिन्दी अनुभाग, के.यू.चि.अ.प. ने वर्ष के निर्धारित लक्ष्यों की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। श्रीमति अख़्तर परवीन, सहायिका, हिन्दी अनुभाग, के.यू.चि.अ.प. ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

पखवाड़े का समापन 25 सितम्बर को पुरस्कार वितरण समारोह के साथ हुआ जिसके मुख्य अतिथि श्री रामानन्द मीणा, उप–सचिव, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार थे। इस अवसर पर श्री मीणा ने ज़ोर दिया कि हिन्दी भाषा के अधिक प्रचार एवं प्रोत्साहन के लिए प्रत्येक स्तर पर अथक प्रयासों की आवश्यकता है। कार्यक्रम को केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद् के अधिकारियों – डॉ. अनिल खुराना, महानिदेशक; डॉ. नाहिद परवीन, सहायक निदेशक (यूनानी); श्री आर.यू. चौधरी, सहायक निदेशक (प्रशासन); और डॉ. जमाल अख़्तर, प्रभारी, हिन्दी अनुभाग, के.यू.चि.अ.प. ने भी सम्बोधित किया।

पखवाड़े के दौरान मुख्यालय में हिन्दी में किये गये कार्यों की समीक्षा की गई तथा अधिक कार्य करने वाले अधिकारियों/कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त, हिन्दी के प्रोत्साहन और आधिकारिक कार्यों के साथ–साथ व्यक्तिगत जीवन में इसका उपयोग बढ़ाने हेतु अधिकारियों/कर्मचारियों को प्रोत्साहित करने के लिए विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्रतियोगिताओं में हिन्दी श्रुतलेख, हिन्दी अनुवाद, हिन्दी टिप्पण लेखन, हिन्दी वाद–विवाद, हिन्दी कविता, हिन्दी शब्दावली और हिन्दी निबन्ध लेखन प्रतियोगिताएं शामिल थीं। परिषद् मुख्यालय के अधिकारियों/कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक प्रतियोगिताओं में भाग लिया और विजेताओं को विभिन्न पुरस्कार प्रदान किये गये।

देश के विभिन्न भागों में स्थित परिषद् के विभिन्न संस्थानों/केन्द्रों में भी हिन्दी पखवाड़ा मनाया गया और मुख्यालय की तरह विभिन्न प्रतियोगिताओं और गतिविधियों का आयोजन किया गया।

●●●

# स्वास्थ्य हेतु योग पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन

**आयुष मंत्रालय, भारत सरकार ने 10–11 अक्टूबर 2017 को नई दिल्ली में स्वास्थ्य हेतु योग पर दो–दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन का अयोजन किया। सम्मेलन का उद्घाटन भारत के माननीय उपराष्ट्रपति श्री वेंकैया नायडू ने किया जिन्होनें योग को आधुनिक दुनिया के लिए भारत का अवमूल्य उपहार बताया।**

*भारत के माननीय उपराष्ट्रपति श्री वेंकैया नायडू, माननीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), आयुष श्री श्रीपाद येस्सो नाईक एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति 10 अक्टूबर 2017 को नई दिल्ली में आयोजित स्वास्थ्य हेतु योग पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन की स्मारिका का विमोचन करते हुए।*

अपने उद्घाटन भाषण में श्री नायडू ने कहा कि पूरे विश्व के कल्याण के लिए ज्ञान और विज्ञान स्वतंत्र रूप से प्रसारित किया जाना चाहिए। योग के महत्व के बारे में बात करते हुए उन्होनें अवलोकन किया कि योग सभी व्यायामों की मां है और यह शारीरिक तंदुरुस्ती, मानसिक सतर्कता और साथ ही अध्यात्मिक सहायता प्रदान करता है।

इस अवसर पर बोलते हुए श्री श्रीपाद येस्सो नाईक, माननीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), आयुष ने कहा कि विश्व को आज गैर–संक्रामक रोगों और तनाव से संबंधित स्वास्थ्य समस्याओं के बढ़ते प्रसार की चुनौती का सामना है। ऐसे में स्वास्थ्य समस्याओं के स्थायी समाधान और जीवन में शांति लाने के लिये योग एक बेहतरीन उपाय है।

कार्यक्रम के अन्य वक्ताओं में श्री वैद्य राजेश कोटेचा, विशेष सचिव (आयुष), डॉ. एच.आर. नागेन्द्र, अध्यक्ष, विवेकानन्द योग अनुसंधान संस्थान, स्वामी महेश्वरानन्द, प्रसिद्ध योग गुरु, ऑस्ट्रिया और सुश्री क्रिस स्ट्रीटर, एसोसिएट प्रोफेसर, बोस्टन विश्वविद्यालय, संयुक्त राज्य अमेरिका शामिल थे।

समापन सत्र को माननीय केंद्रीय मंत्री, सड़क परिवहन एवं राजमार्ग, पोत परिवहन, जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण श्री नितिन गडकरी ने सम्बोधित किया। उन्होनें कहा कि योग में रोज़गार अवसर पैदा करने की एक बड़ी क्षमता है। उन्होनें इस बात पर ज़ोर दिया कि एक व्यवस्थित योग शिक्षा पाठ्यक्रम तैयार किया जाना चाहिए।

सत्र को सम्बोधित करते हुए श्री श्रीपाद नाईक ने बताया कि योग विश्व भर में लोकप्रिय हो रहा है और संयुक्त राज्य अमेरिका की सेना ने इसे अपने प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में अपना लिया है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री श्री अश्विनी कुमार चौबे ने कहा कि ''स्वास्थ्य अवस्था'' की डब्ल्यु.एच.ओ. की परिभाषा में आध्यात्मिक स्वास्थ्य को जोड़ा गया है जोकि योग के महत्व को दर्शाता है क्योंकि आध्यात्मिक स्वास्थ्य योग के महत्वपूर्ण तत्वों में से एक है।

सम्मेलन में हाल के अनुसंधान प्रचलन, एकीकृत चिकित्सा, गैर–संक्रामक रोग, मानसिक स्वास्थ्य, महिला स्वास्थ्य, कैंसर, दर्द उपचार और नीति निर्माण सहित योग और स्वास्थ्य के विभिन्न पहलुओं पर सात तकनीकी सत्र और एक पैनल चर्चा हुई। सम्मेलन में 44 देशों से योग विशेषज्ञ, योग गुरु, अनुसंधानकर्त्ता और नीति निर्माताओं ने भाग लिया।

# क्षे.यू.चि.अ.सं., मुम्बई ने विश्व मधुमेह दिवस मनाया

**परिषद् के क्षेत्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, मुम्बई ने 14 नवम्बर 2017 को मधुमेह की रोकथाम एवं उपचार पर एक व्याख्यान का आयोजन कर विश्व मधुमेह दिवस मनाया।**

*डॉ. शैख़ निक्हत परवीन, अनुसंधान अधिकारी (यूनानी), क्षेत्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, मुम्बई 14 नवम्बर 2017 को विश्व मधुमेह दिवस पर व्याख्यान देती हुईं।*

अन्तर्राष्ट्रीय मधुमेह संघ (आईडीएफ) और विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) द्वारा 1991 में शुरू किया गया विश्व मधुमेह दिवस मधुमेह के प्रभावों के बारे में जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से दुनिया भर में 14 नवम्बर को मनाया जाता है।

इस अवसर पर अपनी टिप्पणी में डॉ. हसीब आलम, अनुसंधान अधिकारी प्रभारी, क्षे.यू.चि.अ.सं., मुम्बई ने विश्व मधुमेह दिवस के उद्देश्यों और लक्ष्यों पर प्रकाश डाला। अपना व्याख्यान देते हुए डॉ. शैख निक्हत परवीन, अनुसंधान अधिकारी (यूनानी) ने दुनियाभर में बढ़ रहे मधुमेह के आंकड़ों, कारणों और समाधान को सविस्तार बताया।

व्याख्यान में इस बात पर भी प्रकाश डाला गया कि *असबाब सित्ता ज़रूरीयाह* (छः मुख्य कारक), *इलाज बिल तदबीर* (संघटित चिकित्सा), *इलाज बिल ग़िज़ा* (आहार–चिकित्सा) और *इलाज बिल दवा* (फार्माकोथैरेपी) के माध्यम से मुधमेह को कैसे रोका जाए। •••

# के.यू.चि.अ.प. ने सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया

**केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद् ने 30 अक्टूबर से 4 नवम्बर 2017 तक अपने मुख्यालय और देश के विभिन्न भागों में कार्यरत केन्द्रों पर सतर्कता जागरूकता सप्ताह आयोजित किया। इस आयोजन का विषय "मेरा लक्ष्य–भ्रष्टाचार मुक्त भारत" था।**

सतर्कता जागरूकता सप्ताह सरकारी कर्मचारियों, केन्द्रीय सरकारी कार्यालयों, संस्थानों, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों और आम जनता को हर स्तर पर भ्रष्टाचार रोकने और अखंडता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जागरूक करने के लिए प्रत्येक वर्ष मनाया जाता है। यह प्रणाली को प्रभावी रूप से निवारक उपायों को लागू करने के लिए प्रेरित करता है ताकि शासन में पारदर्शिता और जावबदेही बनी रहे। इस सप्ताह का बुनियादी उद्देश्य एक भ्रष्टाचार–मुक्त समाज का निर्माण करना है।

परिषद् मुख्यालय और केन्द्रों पर अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा अखंडता प्रतिज्ञा के साथ सप्ताह का आरंभ हुआ। उन्होनें अपनी गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में अखंडता और पारदर्शिता लाने का प्रयास करने और जीवन के हर क्षेत्र में भ्रष्टाचार के उन्मूलन के लिए उदारतापूर्वक कार्य करने का वचन दिया। उन्होनें यह भी प्रतिज्ञा ली कि वे अपना कर्तव्य डर या अनुग्रह के बिना निष्ठापूर्वक करेगें।

उन्होनें प्रतिज्ञा ली कि न तो वे रिश्वत लेंगे और न ही देंगे तथा जनता के हित में सभी कार्यों का एक ईमानदार और पारदर्शी ढंग से पालन करेंगे। उन्होनें व्यक्तिगत व्यवहार में अखंडता दिखाने के उदाहरणों को आगे बढ़ाने और उचित एजेंसी को भ्रष्टाचार की किसी भी घटना की रिपोर्ट करने की घोषणा की।

•••

# आयुर्वेद पर्व में भागीदारी

**के.यू.चि.अ.प. ने आयुष मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 7–10 सितम्बर और 7–9 अक्टूबर 2017 को पंजाबी बाग़, नई दिल्ली और रेशीमबाग़ ग्रांउड, नागपुर में आयोजित आयुर्वेद पर्व में भाग लिया। नई दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम का उद्घाटन श्री श्रीपाद येस्सो नाईक, माननीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), आयुष मंत्रालय, भारत सरकार ने किया जबकि नागपुर के कार्यक्रम का उद्घाटन श्रीमति नंदा जिचकर, माननीय महापौर, नागपुर महापालिका ने किया।**

*श्री श्रीपाद येस्सो नाईक, माननीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), आयुष 7 सितम्बर 2017 को पंजाबी बाग़, नई दिल्ली में आयुर्वेद पर्व का उद्घाटन करते हुए।*

आयुर्वेद पर्व आयुष मंत्रालय की एक पहल है जिसका उद्देश्य जन और वर्ग की मुख्यधारा में आयुर्वेद की पदोन्नति, प्रचार और विकास करना है।

नागपुर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान श्री नितिन गडकरी, माननीय केंद्रीय मंत्री, पोत परिवहन, सड़क परिवहन एवं राजमार्ग, जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण और स्थानीय विधायक ने कार्यक्रम के दौरान स्थल पर पहुंच कर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। उन्होनें के.यू.चि.अ.प. द्वारा इसकी अनुसंधानिक गतिविधियों और परिणामों के प्रचार–प्रसार के लिए लगाए गए स्टॉल का दौरा भी किया। के.यू.चि.अ.प. ने क्षेत्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, मुम्बई के माध्यम से स्वास्थ्य हेतु जागरूकता बढ़ाने और निःशुल्क स्वास्थ्य सेवा एवं परामर्श प्रदान करने हेतु स्वास्थ्य शिविर और व्याख्यान का आयोजन किया।

के.यू.चि.अ.प. ने नई दिल्ली के कार्यक्रम में क्षेत्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली के माध्यम से भाग लिया और यूनानी चिकित्सा के प्रचार–प्रसार और अनुसंधान एवं विकास के क्षेत्र में अपनी गतिविधियों और उपलब्धियों के प्रोत्साहन हेतु स्टॉल लगाया।

●●●

# यूनानी जीवनशैली क्लिनिक का उद्घाटन

**परिषद् के केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (के.यू.चि.अ.सं.), लखनऊ ने 16 नवम्बर 2017 को जिला अस्पताल, लखीमपुर खीरी, उत्तर प्रदेश में कैंसर, मधुमेह, हृदय संबंधी रोगों और स्ट्रोक की रोकथाम और नियंत्रण हेतु राष्ट्रीय कार्यक्रम (एन.पी.सी.डी.सी.एस.) में यूनानी चिकित्सा के समाकलन हेतु नियामक परियोजना के अधीन एक यूनानी जीवनशैली क्लिनिक का उद्घाटन किया।**

क्लिनिक का उद्घाटन करते हुए डॉ. जावेद अहमद, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, लखीमपुर खीरी ने कहा कि जीवनशैली क्लिनिक जीवनशैली रोगों की रोकथाम और शीघ्र निदान को सुनिश्चित करेगी और जिले में लोगों की रोग जटिलता और औषधि निर्भरता को कम करेगी। डॉ. रविन्द्र शर्मा, अतिरिक्त मुख्य चिकित्सा अधिकारी, लखीमपुर खीरी, डॉ. अरूण कुमार गौतम, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, जिला अस्पताल, लखीमपुर खीरी और डॉ. एम.ए. ख़ान, उप–निदेशक प्रभारी, के.यू.चि.अ.सं., लखनऊ, डॉ. जमाल अख़्तर, नोडल अधिकारी (एन.पी.सी.डी.सी.एस.), के.यू.चि.अ.प. एवं आयुष मंत्रालय और उत्तर प्रदेश सरकार के अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

●●●

# के.यू.चि.अ.प. के शोधकर्त्ता को सम्मान

**भारतीय चिकित्सा केन्द्रीय परिषद् (भा.चि.के.प.) ने 30 सितम्बर 2017 को गांधीनगर, गुजरात में राष्ट्रीय आयुर्वेद शिख़र सम्मेलन में केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद् के क्षेत्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, अलीगढ़ में कार्यरत डॉ. मिस्बाहुद्दीन अज़हर को युवा शोधकर्त्ता पुरस्कार से सम्मानित किया।**

भा.चि.के.प. एक वैधानिक निकाय चिकित्सा पद्धति में शिक्षा और अभ्यास है जो आयुर्वेद, यूनानी और सिद्धा को नियमित करती है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए भा.चि.के.प. संबंधित पद्धतियों के अनुसंधाकर्त्ताओं और अकादमिकों को विभिन्न पुरस्कार प्रदान करती है।

*डॉ. मिस्बाहुद्दीन अज़हर 30 सितम्बर 2017 को गांधीनगर, गुजरात में राष्ट्रीय आयुर्वेद शिख़र सम्मेलन में भारतीय चिकित्सा केन्द्रीय परिषद की अध्यक्ष डॉ. वनिथा आर. मुरलीकुमार से युवा शोधकर्त्ता पुरस्कार प्राप्त करते हुए।*

डॉ. मिस्बाहुद्दीन अज़हर को यूनानी चिकित्सा के क्षेत्र में उनके अनुसंधान कार्य और प्रकाशनों के लिए युवा शोधकर्त्ता पुरस्कार से सम्मानित किया गया। वह काफी लम्बे समय से यूनानी चिकित्सा में अनुसंधान और विकास कार्यों में लगे हुए हैं और उनके पास 40 से अधिक अनुसंधान प्रकाशन हैं। डॉ. वनिथा आर. मुरलीकुमार, अध्यक्ष, भा.चि.के.प. ने श्री विजय रूपाणी, माननीय मुख्यमंत्री, गुजरात, श्री शंकरभाई चौधरी, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री, गुजरात और अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में उन्हें पुरस्कार दिया। के.यू.चि.अ.प. डॉ. अज़हर को इस उपलब्धि पर बधाई देती है और भविष्य में प्रयासों के लिए सफलता की कामना करती है।

# एन.ए.सी.एल.आई.एन. 2017 में भागीदारी

**परिषद् के पुस्तकालय एवं सूचना स्टाफ ने 28–30 नवम्बर 2017 को इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में डेवेलपिंग लाईब्रेरी नेटवर्क (डेलनेट), नई दिल्ली द्वारा आयोजित ज्ञान, पुस्तकालय एवं सूचना नेटवर्किंग – एन.ए.सी.एल.आई.एन. 2017 पर 20वें राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।**

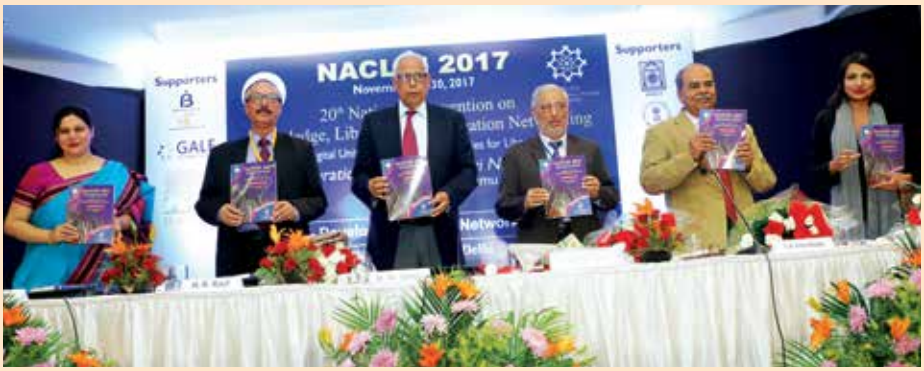


*इण्डिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में 28–30 नवम्बर 2017 के दौरान डेलनेट द्वारा आयोजित 20वीं राष्ट्रीय सम्मेलन की स्मारिका का विमोचन करते हुए गणमान्य व्यक्ति।*

सम्मेलन का उद्घाटन श्री एन.एन. वोहरा, माननीय राज्यपाल, जम्मू एवं कश्मीर ने किया। सम्मेलन के दौरान, मौखिक सत्र में 19 पेपर और पोस्टर सत्र में 10 पेपर प्रस्तुत किये गये। इसके अतिरिक्त, प्रो. विजय वंचगेश्वर और प्रो. सी.वी. रामानन द्वारा 'कम्युनिकेशन स्किल्स फॉर एलआईएस प्रोफेशनल्स' और 'टोटल क्वालिटी पर्सन' पर दो महत्वपूर्ण शिक्षण चलाए गए। सम्मेलन की बड़ी सिफारिशों में पुस्तकालयों का स्वचालन, सभी प्रकार की पठन सामग्री का डिजिटलीकरण, पुस्तकालयों के बीच सूचना साझाकरण के क्षेत्र में सहयोग और नेटवर्किंग, सभी सरकारी और निजी पुस्तकालयों में पुस्तकालय व्यवसायिकों की उचित उन्नति, इत्यादि शामिल थे। श्री शुऐब अहमद, पुस्तकालय एवं सूचना सहायक, के.यू.चि.अ.प. ने सम्मेलन में भाग लिया।

# परिषद् महानिदेशक ने के.यू.चि.अ.सं. एवं एन.आई.आई.एम.एच. का दौरा किया

**डॉ. अनिल खुराना, महानिदेशक प्रभारी, केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद् (के.यू.चि.अ.प.) ने 23 एवं 24 नवम्बर 2017 को केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (के.यू.चि.अ.सं.) और राष्ट्रीय भारतीय आयुर्विज्ञान संपदा संस्थान (एन.आई.आई.एम.एच.), हैदराबाद का दौरा कर इनकी गतिविधियों का जायज़ा लिया।**

के.यू.चि.अ.सं. के दौरे के दौरान डॉ. खुराना ने अधिकारियों तथा कर्मचारियों के साथ बातचीत की और अनुसंधान गतिविधियों का जायज़ा लिया। उन्होंने यूनानी चिकित्सा में एमडी तथा पीएचडी कार्यक्रम का भी जायज़ा लिया।

एन.आई.आई.एम.एच. के दौरे के दौरान डॉ. खुराना ने अधिकारियों को सम्बोधित किया और संस्थान की गतिविधियों की सराहना की। उन्होनें एन.आई.आई.एम. एच. के मेडिको–हिस्टोरिकल संग्रहालय में यूनानी और होम्योपैथी अनुभागों के विकास के लिए पहल करने की सलाह दी और यूनानी चिकित्सा स्कूल, जामिया हमदर्द, नई दिल्ली; अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़; राष्ट्रीय यूनानी चिकित्सा संस्थान, बैंगलुरू; डॉ. आर. पी. पटेल होम्योपैथी संस्थान, बड़ौदरा एवं अन्य समरूप संस्थानों से आवश्यक सूचना और प्रदर्शन समाग्री एकत्रित करने का सुझाव दिया। उन्होनें एन.आई. आई.एम.एच. के संग्रहालय के विकास के लिए आयुष मंत्रालय के अधीन सभी अनुसंधान परिषदों और राष्ट्रीय संस्थानों के उच्च अधिकारियों और संग्रहालय प्रभारियों की एक बैठक आयोजित करने की आवश्यकता पर ज़ोर दिया।

इससे पूर्व, डॉ. जी.पी. प्रसाद, सहायक निदेशक (आयुर्वेद) ने डॉ. खुराना का स्वागत किया। दौरे के दौरान डॉ. खुराना के साथ डॉ. गज़ाला जावेद, अनुसंधान अधिकारी (यूनानी) वैज्ञानिक–IV भी थीं। •••

# हकीम राजेन्द्र लाल वर्मा का अभिनंदन

**केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद् (के.यू.चि.अ.प.) ने 16 नवम्बर 2017 को अपने मुख्यालय में यूनानी चिकित्सा पद्धति में उनके योगदान के लिए हकीम राजेन्द्र लाल वर्मा के सम्मान में एक अभिनंदन समारोह का आयोजन किया।**

डॉ. अनिल खुराना, महानिदेशक (प्रभारी), के.यू.चि.अ.प. ने हकीम राजेन्द्र लाल वर्मा को फूलों का गुलदस्ता, स्मृति चिह्न और शॉल सम्मान के प्रतीक के रूप में भेंट करके उनका स्वागत किया और प्रशंसा की। डॉ. अनिल खुराना ने हकीम वर्मा को 150 पुस्तकों और पत्रिकाओं का अपना निजी संग्रह परिषद् के पुस्तकालय में दान करने के लिए अपना आभार प्रकट किया।

*के.यू.चि.अ.प. मुख्यालय में 16 नवम्बर 2017 को हकीम राजेन्द्र लाल वर्मा के सम्मान में आयोजित अभिनंदन समारोह का एक दृश्य।*

इस अवसर पर बोलते हुए हकीम राजेन्द्र लाल वर्मा, जो यूनानी चिकित्सा के पुराने दूरदर्शी हैं, ने यूनानी चिकित्सा के महत्वपूर्ण शास्त्रीय साहित्य के संरक्षण और अनुवाद पर ज़ोर दिया।

इससे पूर्व अपनी परिचयात्मक टिप्पणी में डॉ. अमानुल्लाह, अनुसंधान अधिकारी (यूनानी) वैज्ञानिक – III, के. यू.चि.अ.प. ने बताया कि हकीम राजेन्द्र लाल वर्मा जिनका जन्म 5 जनवरी 1931 को अम्बाला, पंजाब में जाने माने हकीम चन्द्रमुनी के परिवार में हुआ, भारत में यूनानी चिकित्सा के जाने–माने विद्वान हैं। उनकी व्यवसायिक यात्रा के बारे में बात करते हुए डॉ. अमानुल्लाह ने बताया कि हकीम वर्मा ने विभिन्न संगठनों में कई महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया। इनमें 1971 से 1989 तक चिकित्सा इतिहास संस्थान, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली में अरबी और फ़ारसी विद्वान के रूप में उनकी सेवा महत्वपूर्ण है।

# संघटित चिकित्सा पर बुद्धिशीलता सत्र

**केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद् (के.यू.चि.अ.प.) ने 14 अक्टूबर 2017 को अपने मुख्यालय में संघटित चिकित्सा (इलाज बित तदबीर) के लिए मानक संचालन प्रक्रियाओं के विकास पर कार्य प्रारंभ करने हेतु एक बुद्धिशीलता सत्र का आयोजन किया।**

बुद्धिशीलता सत्र में यूनानी चिकित्सा में संघटित चिकित्सा के विभिन्न प्रकार से संबंधित विभिन्न व्यवहारिक और नैतिक मुद्दों पर चर्चा की गई। सत्र में यह तय पाया कि यूनानी शास्त्रीय साहित्य के अनुसार विशिष्ट रोग स्थितियों में हिजामा, हम्माम और फस्द इत्यादि के वैधीकरण के लिए अनुसंधान प्रोटोकॉल का विकास किया जाना चाहिए। बुद्धिशीलता सत्र में विशेषज्ञों ने मानक संचालन प्रक्रियाओं के विकास और अनुसंधान के लिए इलाज बित तदबीर के मूलभूत व्यवस्थाओं का विकास करने की आवश्यकता महसूस की। विशेषज्ञों ने संघटित चिकित्सा पर एक विस्तृत दस्तावेज़ का संकलन करने और आयुष अनुसंधान पोर्टल पर बुनियादि अनुसंधान के अन्तर्गत एक अलग कक्ष बनाने का सुझाव दिया। उन्होनें यह भी कहा कि तकनीकी अविष्कारों की सहायता से लीच चिकित्सा के लिए नमूनों के विकास की सभांवनाओं का पता लगाने की आवश्यकता है क्योंकि कई नैतिक मुद्दे इसकी वास्तविक प्रक्रिया में आते हैं। विशेषज्ञों ने इलाज बित तदबीर पर सभी उपलब्ध सूचनाओं (साहित्य, नैदानिक अध्ययन, केस रिपोर्ट इत्यादि) को के.यू.चि.अ.प. की वेबसाइट पर अपलोड करने का आह्वान किया। यह भी सुझाव दिया गया कि इलाज बित तदबीर पर किए गए अनुसंधान कार्यों के प्रदर्शन के लिए के.यू.चि.अ.प. के पुस्तकालय में एक अलग कक्ष भी बनाया जाए। •••

*प्रो. शाकिर जमील, जामिया हमदर्द 14 अक्टूबर 2017 को नई दिल्ली में आयोजित संघटित चिकित्सा पर बुद्धिशीलता सत्र को सम्बोधित करते हुए।*


पंजीकरण सं. 34691/80

## सी.सी.आर.यू.एम. न्यूज़लेटर

सी.सी.आर.यू.एम. न्यूज़लेटर *केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद्, जो आयुर्वेद, योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध एवं होम्योपैथी (आयुष) मंत्रालय, भारत सरकार का एक स्वायत्त निकाय है, की आधिकारिक त्रैमासिक पत्रिका है। यह हिन्दी और अंग्रेज़ी दोनों भाषाओं में एक साथ प्रकाशित होती है। इसमें विशेषतः केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद् से संबंधित समाचार होते हैं। यह ऐसे व्यक्तियों और संस्थाओं के लिए मुफ़्त उपलब्ध है जो यूनानी चिकित्सा पद्धति के विकास में दिलचस्पी रखते हैं।* सी.सी.आर.यू.एम. न्यूज़लेटर *में प्रकाशित सामग्री को* सी.सी.आर.यू.एम. न्यूज़लेटर *के आभार के साथ, इस शर्त पर प्रकाशित किया जा सकता है कि वह प्रकाशन व्यापारिक उद्देश्यों से न किया जाये।*

***मुख्य संपादक***
आसिम अली ख़ान

***कार्यकारी संपादक***
मोहम्मद नियाज़ अहमद

***संपादकीय समिति***
नाहीद परवीन
गज़ाला जावेद
टी मैथीलगन
शबनम सिद्दीक़ी

***संपादकीय कार्यालय***
**केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद्**
61–65, इंस्टीटयूशनल एरिया, समुख 'डी' ब्लाक, जनकपुरी, नई दिल्ली–110 058

दूरभाषः +91–11/28521981, 28525982, 28525983, 28525831, 28525852, 28525862, 28525883, 28525897, 28520501, 28522524
फैक्सः +91–11/28522965
ई–मेलः unanimedicine@gmail.com
वेबसाइटः http://ccrum.res.in

मुद्रणः इण्डिया ऑफसैट प्रैस, ए–1, इंडस्ट्रियल एरिया, फेस–1, मायापुरी, नई दिल्ली–110064

ISSN 0974 1666

CCRUM newsletter

A Quarterly Bulletin of Central Council for Research in Unani Medicine

Volume 37 • Number 4 October–December 2017

# Vaidya Rajesh Kotecha appointed Secretary (AYUSH)

**Vaidya Rajesh Kotecha, a recipient of the fourth highest civilian award, Padma Shri and a strong proponent of AYUSH systems, was appointed as Secretary to the Government of India, Ministry of AYUSH on 11 October 2017.**

Initially appointed Special Secretary in the Ministry of AYUSH in June 2017, Vaidya Kotecha is an academician with a rich experience of administration. Prior to his appointment in the Ministry of AYUSH, he was Chief Physician and Executive Director of Chakrapani Ayurveda Clinic and Research Center, Jaipur. He has almost three decades of experience in the field of teaching and research and has held key positions in different capacities, the most notable being the Vice-Chancellor of Gujarat Ayurveda University, Jamnagar. He was Head of Postgraduate Institute of Ayurveda, Mahatma Gandhi Chitrakoot Gramodaya Vishwavidyalaya, Madhya Pradesh; Director of Research at JRD Tata Foundation for Research in Ayurveda & Yoga Sciences (An initiative of Deendayal Research Institute), Chitrakoot, Madhya Pradesh; and Head, Department of Kayachikitsa at Postgraduate Institute of Ayurveda, Mahatma Gandhi Chitrakoot Gramodaya Vishwavidyalaya, Madhya Pradesh.

*Vaidya Rajesh Kotecha*

He had been consultant for 'Open Innovation Project in Herbal Research for South East Asia' of Unilever, Bangalore.

Apart from Padma Shri Award conferred on him in April 2015, Vaidya Kotecha is the recipient of 'Global Ayurveda Physician Award' conferred by Hakim Ajmal Khan Society, New Delhi for the year 2007 and 'Ayurveda Ratna' conferred by International Academy of Ayurveda Physicians for the year 2008.

Vaidya Kotecha has authored books entitled 'Concept of Atattvabhinivesha in Ayurveda' and 'A Beginners Guide to Ayurveda' besides several research papers which have been published in reputed journals and presented at national and international platforms. He has keen interest in media related activities and has been an expert blog writer at http://hellowellness.in, editor of AyurvedaNews, a fortnightly e-newsletter, writer of 'Vaid's Verdict', a column in 'Joyful Living' - an international monthly magazine on alternative health, and writer of 'Ayurved Nu Avanavu', a column in SankalanShreni - a Gujarati fortnightly.

He has a global presence as Ayurveda consultant and visiting faculty at various centers in countries like USA, France, Colombia and Canada. He has been the international coordinator of the highly reputed World Ayurveda Congress, an event of global fame.

He has been associated with a number of organizations/ committees like Governing Body, Central Council for Research in Ayurvedic Sciences, Ministry of AYUSH, Government

of India; Research Advisory Board, Deendayal Research Institute, New Delhi; Peer Team for Accreditation by National Assessment & Accreditation Council (NAAC) at Banaras Hindu University and Bharati Vidyapeeth Deemed University; Advisory Committee, Department of AYUSH, Government of Rajasthan; Governing Body, Rashtriya Ayurved Vidyapith, Ministry of AYUSH, Government of India; and Governing Council, Association of Indian Universities, New Delhi.

While working as the Vice Chancellor of Gujarat Ayurved University, Vaidya Kotecha has been instrumental in achieving several benchmarks for quality improvements in academics and research including "A" Grade from NAAC to make it the best Ayurveda University in the country.

Vaidya Kotecha, known for his revolutionary and innovative approach, has keen interest in multifaceted development of AYUSH systems of medicine and is concerned about the utilization and exploitation of the potentials of AYUSH systems in integrative healthcare and management of non-communicable and emerging diseases.

The Central Council for Research in Unani Medicine (CCRUM) looks forward to all-round development of Unani Medicine as well as other AYUSH systems under his patronage and dynamic leadership. •••

# Rashtriya Ekta Diwas Observed

**The Central Council for Research in Unani Medicine (CCRUM) observed Rashtirya Ekta Diwas (National Unity Day) on 31 October 2017 to mark the birth anniversary of Sardar Vallabhbhai Patel, a formidable personality of Indian freedom struggle.**

The idea of celebrating 31st October, the birthday of Sardar Vallabhbhai Patel, as Rashtriya Ekta Diwas was mooted by Hon'ble Prime Minister Shri Narendra Modi in 2014 with a view to providing an opportunity to reaffirm the inherent strength and resilience of our nation to withstand the actual and potential threats to the unity, integrity and security of our country.

Observing the day, all the officers and officials of the CCRUM took pledge that they would dedicate themselves to preserve the unity, integrity and security of the nation and also strive hard to spread this message among their fellow countrymen. They took this pledge in the spirit of unification of our country which was made possible by the vision and actions of Sardar Vallabhbhai Patel. They also pledged to make their own contribution to ensure internal security of the country. •••

# Wellness Festival in Gujarat

**The Central Council for Research in Unani Medicine (CCRUM) through its Regional Research Institute of Unani Medicine, Mumbai participated in Gujarat Scientific Literacy cum Health & Wellness Festival held at Valsad, Gujarat during 26–28 October 2017.**

The event was inaugurated by Shri M K Raval, Deputy Director, Education, Government of Gujarat. Scientists, technologists, skill development professionals, health and wellness professionals, and research officers from central and state governments participated in the event. During the festival, posters and publicity materials on the activities and achievements of the CCRUM were displayed in the stall. Free literature on health and hygiene was distributed to visitors. Around 10,000 students from more than 70 schools and colleges, teachers and local public visited the CCRUM stall and interacted with its Research Officers. Dr. Irfan Ahmad, Research Officer (Unani), Dr. Tarique Barkathi, SRF (Unani), Shri Abdul Rahim Deshmukh, Compounder and Shri Rafique Shah, Attendant from RRIUM, Mumbai managed the CCRUM stall. •••

# Training cum Exposure Program for AYUSH Scientists

**The Central Council for Research in Unani Medicine (CCRUM), Ministry of AYUSH, Government of India in collaboration with Medanta Institute of Education and Research organized a training cum exposure program for research scientists of AYUSH on 3 November 2017 at Medanta, Gurugram, Haryana. The objective of the program was 'Exploring the Evolution of the 'Axial Model' of Integrative Medicine at Medanta'.**

In his inaugural address, Vaidya Rajesh Kotecha, Secretary, Ministry of AYUSH, Government of India advised that AYUSH scientists should learn integrative medicine and implement it at institute / personal level. He referred to WHO Traditional Medicine Strategy for 2014-2023 which talks about the promotion of Universal Health Coverage (UHC) by integrating Traditional & Complementary Medicine services into healthcare delivery.

Addressing the inaugural session, Shri PN Ranjit Kumar, Joint Secretary, Ministry of AYUSH, Government of India appreciated the Medanta model of integrative medicine saying that it has provided a vision in integration of different systems of medicine in India and urged the need to adopt it at a large scale for the betterment of human being. He pointed out that the conventional medicine/healthcare system looks at humans like machineries but India is fortunate to have the advantage of Traditional Medicine which treats humans through holistic approach.

Prof. Vd. KS Dhiman, Director General, Central Council for Research in Ayurvedic Sciences highlighted the activities of research councils of the Ministry of AYUSH in the area of integration of AYUSH with National Programme for Prevention and Control of Cancer, Diabetes, Cardiovascular Diseases and Stroke (NPCDCS) in five selected districts.

Dr. Naresh Trehan, Chairman and Managing Director, Medanta said that there are so many hidden gems in the Traditional Medicine that are sidelined and need to be explored and exploited. He said that conventional medicine practitioners follow the west and need to reorient themselves.

Speaking on behalf of Dr. Anil Khurana, Director General, CCRUM, Dr. Ghazala Javed, Research Officer (Unani) Scientist-IV said that AYUSH systems have a distinct identity to manage health problems through holistic approach which can be exploited to compliment conventional medicine and used as adjuvant therapy in integrative medicine.

In the technical sessions, deliberations were centric to exploring the logic and process of integration of AYUSH systems and conventional system of medicine. The speakers highlighted the case study of integration model adopted at Medanta and identified some areas where integration can play important role. They also urged the need to conduct studies on drug interaction of different medical systems. Dr. AK Dubey, Dr. Ali Zamir Khan, Dr. Sanjiv Saigal, Dr. Sanjay

*Vaidya Rajesh Kotecha, Secretary and Shri PN Ranjit Kumar, Joint Secretary, Ministry of AYUSH, Prof. Vd. KS Dhiman, Director General, Central Council for Research in Ayurvedic Sciences, Dr. Om Prakash Lekhra and Dr. Sanjay Mittal, Medanta during the inaugural session of the training cum exposure program for research scientists of AYUSH on 3 November 2017 at Medanta, Gurugram, Haryana.*

Mittal, Dr. Tejinder Kataria, Dr. Attique Vasdev and Dr. Shashidhar were among those who addressed the technical sessions.

The training cum exposure program concluded with valedictory address delivered by Dr. Geetha Krishnan, Head, Department of Integrative Medicine, Medanta. The program was attended by researchers from the CCRUM headquarters, its subordinate offices and research councils of the Ministry of AYUSH, Government of India besides representatives from All India Institute of Ayurveda and Jamia Hamdard.

•••

# Hindi Pakhwada Celebrated

**The Central Council for Research in Unani Medicine (CCRUM) observed Hindi Pakhwada at its headquarters and institutes in September 2017. The Pakhwada was observed to mark Hindi Diwas on 14th September and motivate the employees to create an environment for implementation of the Official Language Policy in day-to-day work.**

*Shri Pradeep Kumar addressing the inaugural function of Hindi Pakhwada at the CCRUM headquarters on 11 September 2017.*

The Pakhwada at the headquarters was inaugurated on 11 September 2017. In the inaugural function, Dr. Anil Khurana, Director General Incharge, CCRUM urged that everyone should subscribe to a newspaper or a magazine to improve language skills. He also suggested that efforts for promotion of Hindi should not end with the conclusion of the Pakhwada but must continue throughout the year.

Speaking on the occasion, Shri K C Bhatt, Assistant Director (Official Language), Ministry of AYUSH, Government of India, who was the chief guest on the occasion, said that we need to comply with the rules and provisions of the act for Hindi language and use it in official workings as well as in personal life.

Shri Pradeep Kumar, former Deputy Secretary, Committee of Parliament on Official Language said that everyone should use Hindi language instead of just passing orders. Dr. Jamal Akhtar, Research Officer (Unani) and Incharge, Hindi Section, CCRUM presented the progress report with regard to the targets assigned for the year. Smt. Akhtar Parveen, Assistant, Hindi Section, CCRUM proposed vote of thanks.

The Pakhwada concluded on 25 September with a prize distribution function which had Shri Ramanand Meena, Deputy Secretary, Ministry of AYUSH as the chief guest. On this occasion, Shri Meena emphasized that greater promotion of Hindi language needs sincere efforts at each level. The event was also addressed by CCRUM officers – Dr. Anil Khurana, Director General; Dr. Naheed Parveen, Assistant Director (Unani); Shri RU Choudhury, Assistant Director (Administration); and Dr. Jamal Akhtar, Incharge, Hindi Section, CCRUM.

During the Pakhwada, section-wise review of the quantum of work carried out in Hindi at the headquarters was conducted and high scoring officials were awarded. Besides, various competitions were organized to promote the language and encourage the officials for increasing its use in official work as well as in personal life. The competitions included Hindi Dictation, Hindi Translation, Hindi Note Writing, Hindi Debate, Hindi Poetry, Hindi Vocabulary and Hindi Essay Writing. The officials enthusiastically participated in the competitions and prizes were awarded to the winners.

Hindi Pakhwada was also celebrated in various institutes / centres of the Council spread in different parts of the country where various competitions and activities similar to the headquarters were organized. •••

# International Conference on Yoga for Wellness

**The Ministry of AYUSH, Government of India organized a two-day International Conference on Yoga for Wellness in New Delhi during 10–11 October 2017. The conference was inaugurated by Hon'ble Vice President of India Shri M Venkaiah Naidu who termed Yoga as India's invaluable gift to the modern world.**

*Shri M Venkaiah Naidu, Hon'ble Vice President of India, Shri Shripad Naik, Hon'ble Minister of State (IC) for AYUSH and other dignitaries releasing the souvenir of International Conference on Yoga for Wellness on 10 October 2017 in New Delhi.*

In his inaugural speech, Shri Naidu said that knowledge and science should be transmitted freely for the welfare of the entire world. While talking about its importance, he viewed that Yoga is the mother of all exercises and provides physical fitness, mental alertness as well as spiritual succor.

Speaking on the occasion, Shri Shripad Yesso Naik, Hon'ble Minister of State (IC) for AYUSH said that the world is facing the challenge of growing prevalence of non-communicable diseases and stress related health problems. Yoga is the only way to provide sustainable solutions for health problems and bring peace in life, he added.

Other speakers of the event included Shri Vaidya Rajesh Kotecha, Special Secretary (AYUSH), Dr. HR Nagendra, President, Vivekananda Yoga Anusandhana Samsthana, Swami Maheshwarananda, a renowned Yoga Guru in Austria and Ms. Chris Streeter, Associate Professor, Boston University, USA.

The valedictory session was addressed by Hon'ble Minister of Road Transport, Highways, Shipping, Water Resources, River Development and Ganga Rejuvenation, Shri Nitin Gadkari who said that Yoga has a huge potential for generating employment opportunities. He insisted that a systematic Yoga education syllabus should be prepared.

Addressing the session, Shri Shripad Naik informed that Yoga is getting popular across the globe and the USA military has adopted it in its training curriculum. Minister of State for Health & Family Welfare Shri Ashwini Kumar Choubey said that spiritual health has been added in the WHO definition of the 'state of health' which signifies the importance of Yoga as spiritual health is one of its important elements.

The conference consisted of seven technical sessions and a panel discussion on different aspects of Yoga and wellness including recent research trends, integrated medicine, non-communicable diseases, mental health, women health, cancer, pain management and policy making. Yoga experts, Yoga Gurus, researchers and policy makers among others from 44 countries attended the conference. ●●●

# RRIUM, Mumbai Observes World Diabetes Day

**The Council's Regional Research Institute of Unani Medicine, Mumbai organized a lecture on prevention and management of diabetes on 14 November 2017 to observe the World Diabetes Day.**

*Dr. Shaikh Nikhat Parveen, Research Officer (Unani) delivering a lecture on World Diabetes Day at RRIUM, Mumbai on 14 November 2017.*

Initiated in 1991 by the International Diabetes Federation (IDF) and the World Health Organization (WHO), the World Diabetes Day which is observed worldwide on 14th November aims to create awareness about the effects of diabetes.

In his remarks on the occasion, Dr. Haseeb Alam, Research Officer Incharge, RRIUM highlighted the aims and objectives of the World Diabetes Day. Delivering her lecture, Dr. Shaikh Nikhat Parveen, Research Officer (Unani) elaborated on present statistics, causes and solution of the worldwide rising problem of diabetes. The lecture also elaborated how to prevent diabetes mellitus through *Asbāb Sitta Ḍarūriyyah, 'Ilāj bi'l Tadbīr* (Regimen Therapy), *Ilāj bi'l-Ghidhā'* (Dietotherapy) and *'Ilāj bi'l-Dawā'* (Pharmacotherapy). •••

# CCRUM Observes Vigilance Awareness Week

**The CCRUM observed Vigilance Awareness Week from 30 October to 4 November 2017 at its headquarters and centres located in different parts of the country. The theme of the observance was 'My Vision – Corruption-Free India'.**

The Vigilance Awareness Week is observed every year to create awareness among government employees, central government offices, institutions, public sector undertakings and general public to check corruption and promote integrity at every level. It inspires the system to implement preventive measures effectively so that transparency and accountability can be maintained in the governance. The basic motto of this week is to create a corruption-free society.

The observance of the week commenced with the integrity pledge by the officers and officials at the CCRUM headquarters and centres. They pledged to strive for bringing about integrity and transparency in all spheres of their activities and work unstintingly for eradication of corruption in all spheres of life. They also pledged that they would fulfill their duties conscientiously and act without any fear or favor.

They declared that they will neither take nor offer any bribe and perform all the tasks in an honest and transparent manner in the interest of the public. They further declared to lead by example exhibiting integrity in personal behavior and will report any incident of corruption to the appropriate agency. •••

# Participation in Ayurveda Parv

**The Central Council for Research in Unani Medicine (CCRUM) participated in the Ayurveda Parv organized by the Ministry of AYUSH, Government of India during 7–10 September and 7–9 October 2017 at Punjabi Bagh, New Delhi and Reshimbagh Ground, Nagpur. The event in New Delhi was inaugurated by Shri Shripad Yesso Naik, Hon'ble Minister of State (IC) for AYUSH whereas the event in Nagpur was inaugurated by Smt. Nanda Jichkar, Hon'ble Mayor, Nagpur Municipal Corporation.**

*Shri Shripad Naik, Hon'ble Minister of State (IC) for AYUSH inaugurating the Ayurveda Parv on 7 September 2017 at Punjabi Bagh, New Delhi*

The Ayurveda Parv is an initiative of the Ministry of AYUSH which aims at envisaging the promotion, propagation and development of Ayurveda in the mainstream of mass and class.

During the event in Nagpur, Shri Nitin Gadkari, Hon'ble Union Minister for Shipping, Road Transport and Highways, Water Resources, River Development and Ganga Rejuvenation and local MLAs graced the venue. They also visited the stall put up by the CCRUM for propagation of its research activities and outcomes. The CCRUM through its Regional Research Institute of Unani Medicine (RRIUM), Mumbai organized a health camp and lectures for providing consultancy and treatment and creating health awareness. More than 300 patients benefited from the health camp.

The CCRUM participated in the event in New Delhi through RRIUM, New Delhi and put up a stall for promotion of Unani Medicine and propagation of its activities and achievements in research and development. •••

# Unani Lifestyle Clinic Inaugurated

**The Council's Central Research Institute of Unani Medicine (CRIUM), Lucknow inaugurated a Unani Lifestyle Clinic under the pilot project for integration of Unani Medicine in National Programme for Prevention and Control of Cancer, Diabetes, Cardiovascular Diseases & Stroke (NPCDCS) at District Hospital, Lakhimpur Kheri, Uttar Pradesh on 16 November 2017.**

Inaugurating the clinic, Dr. Javed Ahmad, Chief Medical Officer, Lakhimpur Kheri said that the lifestyle clinic would ensure prevention and early diagnosis of lifestyle diseases and reduce complications and drug dependency of the people in the district. Dr. Ravinder Sharma, Additional Chief Medical Officer, Lakhimpur Kheri, Dr. Arun Kumar Gautam, Chief Medical Superintendent, District Hospital, Lakhimpur Kheri, Dr. MA Khan, Deputy Director Incharge, CRIUM, Lucknow, Dr. Jamal Akhtar, Nodal Officer (NPCDCS), CCRUM and other officers from the Ministry of AYUSH and Government of Uttar Pradesh were present. •••

# CCRUM Researcher Awarded

**Dr. Misbahuddin Azhar, Research Officer (Unani) Scientist-III at CCRUM's Regional Research Institute of Unani Medicine, Aligarh was awarded Young Researcher Award by the Central Council of Indian Medicine (CCIM) during National Ayurveda Summit – 2017 on 30 September 2017 in Gandhinagar, Gujarat.**

The CCIM is a statutory body that regulates education and practice in Ayurveda, Unani and Siddha systems of medicine. To encourage quality education and research, the CCIM confers various awards on researchers and academicians of the respective systems.

*Dr. Misbahuddin Azhar receiving Young Researcher Award of the Central Council of Indian Medicine from its President Dr. Vanitha R Muralikumar during National Ayurveda Summit – 2017 on 30 September 2017 in Gandhinagar, Gujarat.*

Dr. Misbahuddin Azhar was honored with Young Researcher Award – 2014 in appreciation of his research work and publications in the field of Unani Medicine. He is engaged in research and development in Unani Medicine for quite a long time and has over 40 research publications to his credit. The award was conferred on him by Dr. Vanitha R Muralikumar, President, CCIM in the presence of Shri Vijaybhai Rupani, Hon'ble Chief Minister, Gujarat, Shri Shankarbhai Chaudhary, Minister of Health & Family Welfare, Gujarat and other dignitaries. The CCRUM congratulates Dr. Azhar on this achievement and wishes him success in his future endeavors. •••

# Participation in NACLIN 2017

**The Council's library and information staff participated in the 20th National Convention on Knowledge, Library and Information Networking – NACLIN 2017 organized by the Developing Library Network (DELNET), New Delhi during 28–30 November 2017 at India International Centre, New Delhi.**

*Dignitaries releasing the souvenir of the 20th National Convention on Knowledge, Library and Information Networking – NACLIN 2017 organized by the Developing Library Network during 28–30 November 2017 at India International Centre, New Delhi.*

The convention was inaugurated by Shri NN Vohra, Hon'ble Governor, Jammu & Kashmir. During the convention, 19 papers were presented in oral session and 10 papers in poster session. Besides, two important tutorials on 'Communication skills for LIS professionals' and 'Total Quality Person' were conducted by Prof. Vijay Vanchgeswar and Prof. CV Ramanan. The major recommendations of the convention includes automation of libraries, digitization of all kinds of reading material, cooperation and networking in the field of information sharing between the libraries, proper career advancement of the library professionals in all government and private libraries, etc. Shri Syed Shuaib Ahmad, Library & Information Assistant, CCRUM attended the convention. •••

# DG, CCRUM Visits CRIUM & NIIMH

**Dr. Anil Khurana, Director General Incharge, Central Council for Research in Unani Medicine (CCRUM) visited Central Research Institute of Unani Medicine (CRIUM) and National Institute of Indian Medical Heritage (NIIMH), Hyderabad on 23 and 24 November 2017 to take stock of their activities.**

During his visit to CRIUM, Hyderabad, Dr. Khurana interacted with the officials and took a review of the research activities. He also conducted a review of MD and PhD programmes in Unani Medicine.

During his visit to NIIMH, Dr. Khurana addressed the officers and appreciated its activities. He suggested taking initiative for the development of Unani and Homoeopathy sections in NIIMH's Medico-Historical Museum and advised to collect required information and display material from School of Unani Medicine, Jamia Hamdard, New Delhi; Aligarh Muslim University, Aligarh; National Institute of Unani Medicine, Bangalore; Dr. RP Patel Institute of Homoeopathy, Vadodara; and similar institutes. He stressed the need to organize a meeting involving higher officials and museum incharges of all research councils and national institutes under the Ministry of AYUSH for the development of the museum.

Earlier, Dr. Khurana was welcomed by Dr. GP Prasad, Assistant Director (Ayurveda). Dr. Khurana was accompanied by Dr. Ghazala Javed, Research Officer (Unani) Scientist-IV, CCRUM during this visit.

•••

# CCRUM Felicitates Hakim Rajinder Lal Verma

**The CCRUM organized a felicitation ceremony to honor Hakim Rajinder Lal Verma in recognition of his contributions to Unani Medicine on 16 November 2017 at its headquarters.**

Hakim Rajinder Lal Verma was welcomed by Dr. Anil Khurana, Director General Incharge, CCRUM by presenting a bouquet of flowers, a memento and a shawl as a token of respect and appreciation. Dr. Khurana extended his gratitude to Hakim Verma for donating his personal collection of 150 books and journals to the library of the council.

Speaking on the occasion, Hakim Rajinder Lal Verma who is an old visionary of Unani Medicine laid emphasis on the preservation and translation of important classics of Unani Medicine.

*A view of the felicitation ceremony to honor Hakim Rajinder Lal Verma on 16 November 2017 at the CCRUM headquarters.*

Earlier in his introductory remarks, Dr. Amanullah, Research Officer (Unani) Scientist-III, CCRUM informed that Hakim Rajinder Lal Verma who was born in the family of a well-known Unani physician Hakim Chander Muni on 5 January 1931 at Ambala, Punjab is one of the celebrated scholars of Unani Medicine in India. Talking about his professional journey, Dr. Amanullah informed that Hakim Verma held several important positions in different organizations and the notable being as an Arabic & Persian Scholar at the Institute of History of Medicine, All India Institute of Medical Sciences (AIIMS), New Delhi from 1971 to 1989.

•••

# Brainstorming Session on Regimen Therapy

**The Central Council for Research in Unani Medicine organized a brainstorming session (BSS) on 14 October 2017 at its headquarters to initiate work on the development of standard operating procedures (SOPs) for *'Ilāj bi'l Tadbīr* (Regimen Therapy).**

The BSS discussed different practical and ethical issues pertaining to the various types of Regimen Therapy in Unani Medicine and concluded that research protocols for validation of *Ḥijāma, Ḥammām, Faṣd*, etc. in specific disease conditions as per classical Unani literature should be developed. The experts in the BSS also felt the need to develop infrastructure for *'Ilāj bi'l Tadbīr* for carrying out research and developing SOPs. The experts suggested to compile a detailed dossier on Regimen Therapy, create a separate section under fundamental research on AYUSH Research Portal, explore the possibilities for the development of simulators for leech therapy with the help of technological innovations as lots of ethical issues are involved in the actual procedure and upload all the available information (literature, clinical studies, case reports, etc.) on *'Ilāj bi'l Tadbīr* on the CCRUM website. It was also suggested that a separate section for display of research work done on *'Ilāj bi'l Tadbīr* may be created in the CCRUM library.

●●●

*Prof. Syed Shakir Jamil, Jamia Hamdard addressing the brainstorming session on Regimen Therapy on 14 October 2017 in New Delhi.*

**Registration No. 34691/80**

## *About* CCRUM Newsletter

*The* CCRUM Newsletter *is a quarterly official bulletin of the Central Council for Research in Unani Medicine – an autonomous organization of the Ministry of Ayurveda, Yoga & Naturopathy, Unani, Siddha and Homoeopathy (AYUSH), Government of India. It is published bilingually in Hindi and English and contains news chiefly about the works and activities of the CCRUM. It is free of charge to individuals as well as to organizations interested in the development of Unani Medicine. Material published in the* bulletin *may be reproduced provided credit is given to the* CCRUM Newsletter *and such reproduction is not used for commercial purposes.*

***Editor-in-Chief***
Asim Ali Khan

***Executive Editor***
Mohammad Niyaz Ahmad

***Editorial Board***
Naheed Parveen
Ghazala Javed
T Maithiyazhagan
Shabnam Siddiqui

***Editorial Office***
CENTRAL COUNCIL FOR
RESEARCH IN UNANI MEDICINE
61-65, Institutional Area, Opp. 'D' Block,
Janakpuri, New Delhi - 110 058 (India)

Telephone : +91-11/28521981, 28525982, 28525983, 28525831, 28525852, 28525862, 28525883, 28525897, 28520501, 28522524
Fax : +91-11/28522965
E-mail: unanimedicine@gmail.com
Website: http://ccrum.res.in

*Printed at:* India Offset Press, A-1, Industrial Area, Phase - I, Mayapuri, New Delhi - 110064